कुकुरमुत्ता

विदेशी मुद्रा का स्रोत

डॉ. वाई.पी. गुप्ता

भारत में कुकुरमुत्ते या खुम्बी की खेती एक लाभदायक उद्योग और विदेशी मुद्रा कमाने का अच्छा साधन बन गई है। कुकुरमुत्ते की कश्मीरी जाति *मारसीलिया* खुम्बी की खाद्य किस्मों में बहुत लोकप्रिय है। शुष्क ऑस्टर खुम्बी प्लास्टिक के थैलों में पैक होकर दिल्ली की सम्पन्न कॉलोनियों और बड़े होटलों में आम तौर पर बेची जाती है। बेंगलौर के अनेक होटलों में यह बेहद लोकप्रिय है। वहां यह व्यापारिक स्तर पर उगाई जाती है। दरअसल इसके लिए सबसे उपयुक्त तापमान 22 से 28 डिग्री से. होता है अतः भारत के अधिकतर क्षेत्रों के लिए यह उपयुक्त है। मध्यप्रदेश के होशंगाबाद ज़िले के आदिवासी इन्हें बड़े पैमाने पर उगाते हैं।

एक अनुमान के मुताबिक पांच वर्षों में इससे 130 करोड़ रुपए और 10 वर्षों में 750 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है। सफेद बटन खुम्बी की प्रति वर्ष 3500 मीट्रिक टन मात्रा निर्यात करने के उद्देश्य से दो इकाइयां स्थापित की गई हैं। 21 करोड़ रुपए की लागत से पहली इकाई चेन्नई में है और 31 करोड़ रुपए की लागत से दूसरी हरियाणा में। ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर को उन्नत करने के लिए यूरोपीय समुदायों की सहायता से खुम्बी की खेती का एक वृहत संयुक्त कार्यक्रम आंरभ किया गया है। हिमाचल प्रदेश, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर में भी इसकी खेती की जा रही है।

सफेद बटन

खुम्बी अनुसंधान और विकास हेतु सोलन (हि.प्र.) एक प्रमुख केन्द्र बन गया है। भारत में इसे आम तौर पर खुम्बी शहर के नाम से जाना जाता है। यहां पंजीकृत खेतिहरों को लगभग 350 टन खुम्बी कम्पोस्ट प्रति वर्ष आर्थिक सहायता दरों पर दिया जाता है। इससे 2000 टन से अधिक पैदावार होती है। इस युनिट में लगभग 1000 पंजीकृत उत्पादक हैं। इससे हिमाचल प्रदेश में खुम्बी उत्पादन के और ज़्यादा होने की सम्भावना है।

विश्व के विभिन्न भागों में भोजन के अंग के रूप में इसका काफी उपयोग होता है। लेकिन भारत में इसकी खपत अभी ज़्यादा नहीं है। इसमें प्रोटीन, खनिज (फॉस्फोरस और लौह) तथा विटामिन (रिवोफ्लेविन, निकोटिनिक एसिड, फोलिक एसिड और एस्कोरविक एसिड) आदि जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। कार्बोहाइड्रेट कम होने की वजह से ये मधुमेह के रोगियों के लिए लाभदायक हैं।

ये प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं। ताज़े कुकरमुत्ते में 3.5 से 4.0 प्रतिशत और शुष्क में 20-40 प्रतिशत प्रोटीन होता है। यह प्रोटीन एसेंशियल अमीनो एसिड संघटन में सुसंतुलित होती है। इनमें अण्डे के प्रोटीन की तरह एसेंशियल